डीएफएचटी–05

सत्रांत परीक्षा :दिसम्बर, 2017

प्रयोजनमूलक हिन्दी और अनुवाद में डिप्लोमा

अनुवाद का सैद्धान्तिक स्वरूप

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

क–विभाग

1. ***निम्नलिखित प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*** ***(15x3=45)***

क. 'अनुवाद'शब्द के निहितार्थ को स्पष्ट करते हुए अनुवाद की परिभाषाओं एवं उसके स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

ख. अनुवाद–प्रक्रिया के आशय को स्पष्ट करते हुए न्यूमार्क एवं नाइडा द्वारा प्रतिस्थापित अनुवाद–प्रक्रिया की तुलनात्मक विवेचना कीजिए।

ग. अनुवाद कार्य में आनेवाली विविध प्रकार की सीमाओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

घ. वर्तमान सन्दर्भ में अनुवाद की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता को स्पष्ट कीजिए।

ख–विभाग

2. ***निम्नलिखित प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*** ***(10x4=40)***

क. अनुवाद के विभिन्न प्रकारों को स्पष्ट कीजिए।

ख. साहित्य के अध्ययन में अनुवाद की आवश्यकता को रेखांकित कीजिए।

ग. उदाहरण के साथ भावानुवाद एवं सारानुवाद की व्याख्या कीजिए।

घ. अनुवाद और अर्थविज्ञान के सम्बन्ध को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

ङ. साहित्यानुवाद एवं तकनीकी अनुवाद में क्या अन्तर होता है समझाइए।

ग–विभाग

3. ***किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।*** ***(5x3=15)***

क. सफल अनुवाद की पहचान

ख. शब्दानुवाद

ग. अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान

घ. अंतःभाषिक अनुवाद

****